सामाजिक चेतना का केंद्र बिंदु - 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी'

गुजरात राज्य के गांधीनगर जिले में 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' की स्थापना सम्पूर्ण विश्व के धरातल पर घटित **अद्वितीय** घटना है | इसे **अद्वितीय** घटना कहना सर्वथा उचित इसलिए है कि विश्व के अन्य किसी भी विश्व**विद्यालय** में जन्म से पूर्व अर्थात् गर्भाधान से लेकर अठारह साल तक के तरुणों के विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य नहीं किया जाता हैं | 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' के नाम से विश्व में कुछ संस्थाएं अस्तित्व में है | ये संस्थाएं - मानचेस्टर (यु. के.), चीन, एडिलेड (ऑस्ट्रेलिया), मलेशिया, स्कोटलेंड, टेक्सास (यु.एस.ए.), बोस्निया एवं साराजेवो में एक न्यास या गैर सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) के तौर पर कार्यरत है | उपरोक्त सभी संस्थाएं सात से चौदह वर्ष की आयु के बालकों के लिए विभिन्न गतिविधियों के विभाग या केन्द्रों के रूप में कार्य कर रही हैं | इन संस्थाओं में बालजन्म से लेकर उत्तम मनुष्य का कोई विचार नहीं किया गया है | वैश्विक फलक पर द्रष्टिपात करें तो गुजरात के गांधीनगर जिले में स्थापित 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' शिक्षा, प्रशिक्षा, अनुसंधान एवं विस्तार इन चारों पहलूओं पर समग्रता से कार्य कर रही विश्व की प्रथम युनिवर्सिटी है | यह युनिवर्सिटी प्रत्येक बालक को केंद्र में रखकर गर्भाधान संस्कार - प्रक्रिया से ही गहन चिंतन करके श्रेष्ठ संतति का आह्वान एवं अवतरण करने की दिशा दंपतियो को मार्ग प्रसस्त करती है | यह युनिवर्सिटी प्रत्येक बालक को श्रेष्ठ मनुष्य के रूप में समाज को समर्पित करने का स्वप्न संजो रही है |

इस विचार के स्वप्नद्रष्टा है हमारे परम आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी | वे केवल स्वप्नद्रष्टा ही नहीं, अपितु मंत्रद्रष्टा भी है | उनके मन में एक अभूतपूर्व मंत्र का उद्भव हुआ - Every Child Matters : प्रत्येक बालक महत्त्वपूर्ण है | इस मंत्र का विस्तार युनिवर्सिटी के 'दर्शन' में परिणित हुआ | यह 'दर्शन' मा. श्री नरेन्द्रभाई मोदी के शब्दों में -"बालक का पालन -पोषण ऐसी ऊष्मा एवं प्रेम के साथ एवं सावधानी से होना चाहिये जिससें वह शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावात्मक एवं आध्यात्मिक रूप से स्वस्थ मानव के रूप में विकसित हो, एवं उसे आत्मसाक्षात्कार के अवसर प्राप्त हो सकें |

इस मंत्र एवं दर्शन को व्यावहारिक पृष्ठभूमि पर लाने के लिए उन्होंने एक व्यवस्था को खड़ा किया, जिसका नाम उन्होंने - 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' दिया |

मा. नरेन्द्रभाई मोदी ने ९ जून २००८ के दिन देश के महान शिक्षाविदों के समक्ष एक कार्यशाला में इस विचार को प्रथम बार प्रस्तुत किया | इस कार्यशाला में उन्होंने 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' की आवश्यकता के सन्दर्भ में विस्तृत जानकारी प्रदान की | उन्होंने दिशा निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' विशेष तौर पर बालकों से संबंधित विषयों पर अनुसंधान कार्य करेगी | उनके अनुसार वर्तमान में बच्चों को अनावश्यक दबाव में रखा जाता है | इस स्थिति में सुधार लाना अति आवश्यक है | इस संकल्पना को और अधिक स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में विभक्त परिवारों की संख्या अत्यंत तेजी से बढ़ रही है | 'प्रेम एवं सुरक्षा' जो बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है, आज इस संकल्पना की अवहेलना हो रही है | उन्होंने कहा कि 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' बच्चों के शारीरिक विकास के साथ - साथ मानसिक आवश्यकताओं के संदर्भ में सभी आवश्यक पहलुओं पर विचार करने के लिए संकल्पित है | संपूर्ण समाज से 'प्रेम एवं ऊष्मा' पाकर वर्तमान एवं भविष्य के बालक स्व - व्यक्तित्व का सर्वांगींण विकास कर सकेंगे | ऐसे पूर्ण विकसित व्यक्तित्व वाले व्यक्ति स्वयं के श्रेष्ठ कौशल से इस देश एवं संपूर्ण मानवजाति के लिए निःस्वार्थ सेवा करने के लिए तत्पर होंगे |

इस कार्यशाला में सहभागी हुए सभी शिक्षाविदों ने इस विचार को स्वीकृत करके इस संदर्भ में बहुत उपयोगी सुझाव दिये | गुजरात सरकार द्वारा १२ सितंबर २००८ के दिन ‘चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी’ की स्थापना का प्रारूप एवं कार्ययोजना बनाने के लिए ऋषितुल्य व्यक्तित्व के धनी श्री किरीटभाई जोशी की अध्यक्षता में १६ महानुभावों को समाविष्ट करके एक टास्कफोर्स की रचना की गई |

इस टास्कफोर्स की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय गोष्ठि क्रमशः ६ – ७ ऑक्टोबर, २००८ ; २-३ जनवरी २००९ एवं १९ – २० मार्च, २००९ को हुई थीं |

इन गोष्ठियों के दौरान टास्कफोर्स द्वारा ‘चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी’ के द्रष्टिकोण, ध्येय एवं उद्देश्यों को निर्धारित किया गया | साथ ही युनिवर्सिटी के कार्यक्षेत्र एवं सेवाओं की विस्तृत टिप्पणी तैयार करते हुए युनिवर्सिटी की समस्त संरचना की भी चर्चा की गई |

‘चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी’ के विधेयक (Bill) की रचना के लिए टास्कफोर्स के अध्यक्ष एवं सभ्य – सचिव से निर्मित एक विशेष समिति की रचना की गई | इस समिति में डॉ अभय कश्यप तथा प्रो. जे. एस. राजपूत का समावेश किया गया | कमिशनर – उच्च शिक्षा एवं आचार्य एम. आर. उपाध्याय के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग ने विधेयक को आखरी स्वरुप दिया |

केबिनेट की अनुमति के बाद तत्कालीन शिक्षामंत्री मा. श्री रमणलाल वोरा ने दिनांक २८ जुलाई, २००९ के दिन विधेयक (विपत्र) विधानसभा में प्रस्तुत किया | प्रस्तुत विधेयक की चर्चा में विधानसभा के बहुत से सदस्य सहभागी हुए एवं चर्चा के अंत में विधेयक पारित किया गया |

३१ जुलाई, २००९ के दिन गुजरात राज्य के आदरणीय राज्यपाल महोदय की अनुमति से यह विधेयक - ‘चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी ऐक्ट, २००९’ (बाल विश्वविद्यालय अधिनियम,२००९) के रूप में स्वीकृत हुआ |

इस युनिवर्सिटी के प्रथम कुलपति के रूप में दिनांक १६ जनवरी, २०१२ को मैंनें कार्यभार संभाला | एक सात्त्विक कार्य से जुड़ने का आनंद अवर्णनीय था | एक वैचारिक क्रांति के रूप में वर्ष २०१०-११ में गुजरात के सुवर्णजयंती महोत्सव में ‘वांचे गुजरात’ (पढ़े गुजरात) अभियान का अभिन्न अंग बनने का असीम आनंद एवं संतोष प्राप्त हुआ | इस अभियान के तुरंत १० महीनें बाद मा. श्री नरेन्द्रभाई मोदी ने मुझे इस कार्य से जोड़ा | यह मेरे लिए अत्यंत सौभाग्य की बात थी |

उत्तम मनुष्यों के निर्माण का बहुत अच्छा अवसर प्राप्त हुआ था | तन – मन – ह्रदय में ऊर्जा का अनोखा संचार था | एक बिलकुल ही नए कार्य का पथ तैयार करना था | अनेक चुनौतियाँ थीं परन्तु कार्य का स्वरुप ही कुछ इस तरह का था कि मैं ‘स्वयं चालित बैटरी’ की तरह कार्यशील बना | शुरुआत में ही मेरे मन में एक सूत्र स्फुरित हुआ...‘तेजस्वी बालक : तेजस्वी भारत’... युनिवर्सिटी के अधिनियम के अनुरूप एक कार्य – तपोवन गर्भसंस्कार केंद्र’ को गतिशील बनाया | गर्भवती महिलाओं को श्रेष्ठ एवं संकल्पित संतान की प्राप्ति हो इस हेतु से २२ स्थानों पर ऐसे मार्गदर्शक केंद्र शुरू हुए | ये केंद्र ‘तपोवन अनुसंधान केंद्र’ के रूप में पहचाने जाते है | वर्तमान में जुलाई, २०१९ में यह लेख लिखा जा रहा है | तब तक इन केन्द्रों में संपूर्ण गुजरात की ३१००० गर्भवती महिलाओं ने स्वस्थ बालकों को सुखपूर्वक जन्म दिया है | इन सभी जानकारियों का अनुसंधान करके विश्लेषण एवं परिणामों का अर्थघटन भी किया गया हैं |

दिनांक २ अक्टूबर, २०१० : गाँधीजयंती के दिन से प्रारंभ हुई युनिवर्सिटी की इस महत्त्वपूर्ण परियोजना को समाज से अति सुंदर प्रतिसाद प्राप्त हुआ है | यह कार्य सीधा समाज को लाभान्वित करता है |

अब गुजरात के विभिन्न स्थानों पर यह परियोजना व्यापक मात्रा में क्रियान्वित करने की योजना है | समाज के अग्रिम गणमान्य व्यक्ति इस परियोजना का संवहन करेंगें ऐसी मेरी श्रद्धा है |

ऐसी ही एक अति महत्त्वपूर्ण परियोजना है - 'विद्यानिकेतन' | हमारी विद्या संस्थाएं विद्या के निकेतन (स्वर्ग) बने, विद्या प्राप्ति का धाम बने एवं उसमें विद्यार्थी समग्रता से शिक्षा प्राप्त करें यह अत्यंत आवश्यक है | इस हेतु शिक्षक सही अर्थ में गुरुत्व प्राप्त करे एवं श्रेष्ठ मनुष्य निर्माण में कार्यरत बने ऐसा प्रशिक्षण शिक्षकों को प्राप्त हो इस उद्देश्य से भी युनिवर्सिटी प्रयत्नशील है | बालक एक नाजुक सुगन्धित कलि है वह अनावृत और सुरभित हो उसीमें उसके अस्तित्व की सुगंध है | इस कथन को चरितार्थ करना है | बालक की १८ वर्ष की आयु हो तब तक उसके चरित्र - निर्माण का ऐसा कार्य हो कि वह उच्च शिक्षा प्राप्त करने के योग्य बन जाये | उसके संस्कारों की नींव इतनी मजबूत बने कि समाज को स्वस्थ, देशभक्त एवं विचारशील नागरिकों की कमी कभी भी महसूस न हो | इस प्रक्रिया के लिए युनिवर्सिटी विशेष पाठ्यक्रम निर्मित कर रही है जिससे विद्यार्थी अभ्यास के आनंद की अनुभूति कर सकें |

मातापिता एवं परिवार प्रबोधन भी वर्तमान समय का अति महत्त्वपूर्ण बिंदु है | पारिवारिक मार्गदर्शन हेतु युनिवर्सिटी ने 'शैशव का स्मित' एवं 'परिवार की पाठशाला' जैसी सुंदर पुस्तकों का निर्माण किया हैं |

शिशुओं के लिए पहेलियाँ, पधक, शिशुगीत, कविताएँ एवं कहानियाँ बालविकास के अति महत्तवपूर्ण घटक है | लोरीयाँ, प्रभातगीतों पर आधुनिकीकरण का अत्यंत विपरीत प्रभाव पड़ा है | बालविकास के इन महत्त्वपूर्ण घटकों को तादृश्य करने का कार्य भी युनिवर्सिटी कर रही है | इन बातों को केंद्र में रखकर युनिवर्सिटी के प्रकाशन विभाग ने 'वार्ता.com' एवं 'वार्ता-रसथाल' जैसे पुस्तकों का प्रकाशन गुजराती भाषा में किया है | शिशुगीतों के लिए 'शिशुगीत' 'देशभक्ति गीत' एवं 'भावगीत' की तीन सी.डी. भी निर्मित की है | जिसमें लगभग ३५ गीतों का स्वरांकन किया गया है | इन गीतों का गुंजन अनेक परिवारों में हो रहा है | ये सभी सी.डी. आंगनवाडी एवं प्राथमिक शालाओं के लिए अधिक उपयोगी है |

इसके अतिरिक्त युनिवर्सिटी द्वारा 'बालविश्व' नामक मासिक मुखपत्र भी प्रकाशित किया जाता है | इसमें बच्चों, मातापिता एवं शिक्षकों के लिए उपयोगी कुछ रोचक बातें एवं कहानिओं का समावेश किया जाता है | यह मासिक सभी परिवारों में पढ़ा जायें इस दिशा में प्रयत्न चल रहे हैं |

युनिवर्सिटी की वेबसाईट www.cugujarat.ac.in पर प्रत्येक माह की दिनांक १२ एवं २७ को चार - चार कहानियाँ चित्रों के साथ रखी जाती है | अभी तक लगभग ५०० कहानियों का भंडार उसमें उपलब्ध है | वेबसाईट पर कुलपति के उदबोधन पत्रों को भी रखा जाता है |

नये नये शिशुगीतों एवं शिशु कहानियों का सर्जन होता रहे, इस उद्देश्य से समय-समय पर गुजरात के विख्यात बालसाहित्यकारों को युनिवर्सिटी में निमंत्रित कर चर्चा-विमर्श किया जाता है | ऐसी ही एक गोष्ठि अभी २२ जुलाई को हुई |

शिक्षा के सांप्रत प्रवाहों का चिंतन भी युनिवर्सिटी में होता रहता है | दिनांक १८ जुलाई २०१९ को भी 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति - प्रारूप -२०१९' के संदर्भ में गुजरात के शिक्षाविदों की उपस्थिति में एक परिसंवाद आयोजित हुआ | इस परिसंवाद में शिक्षा के संदर्भ में चिंतन हुआ एवं उसका सारांश शिक्षा मंत्रालय को भी भेज दिया गया |

इस युनिवर्सिटी का नाम भले ही 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' है, लेकिन इसका कार्य छोटे बच्चों तक सीमित नहीं है | सही अर्थ में छोटे बच्चों को समझने का कार्य अत्यधिक कठिन है | बड़े लोग बच्चों को समझें ऐसे प्रयास युनिवर्सिटी के माध्यम से हो रहे हैं |

कुछ उच्च स्तर के पाठ्यक्रम वर्तमान में चल रहे हैं जिसमें मनोविज्ञान, समाजकार्य, इंग्लिश, आहार एवं पोषण जैसे विषयों में अनुस्नातक कक्षा के पाठ्यक्रम पढाये जाते हैं | शिक्षा एवं मनोविज्ञान में एम.फिल एवं पीएच.डी. का कार्य भी चालू है | इसके अलावा कुछ पार्ट-टाईम पाठ्यक्रम भी प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को चल रहे हैं, जिसमे M.A. (Edu.), स्कूल काउन्सेलिंग एवं पी.जी. डिप्लोमा ईन प्रि - नेटल केअर एंड एज्युकेशन (प्रसूति -पूर्व की देखभाल एवं शिक्षा) भी चल रहा है |

छोटे बच्चों के कलात्मक विकास के लिए संगीत एवं चित्रकला के छः मासिक सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम भी चल रहे है एवं अत्यंत अल्प समय में कोम्पुटर कौशल के विकास के लिए छः मासिक CCC का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम भी शुरू हो जायेगा | 'शिशु परामर्शन केंद्र' के माध्यम से माताओं को बालकों के पालन-पोषण के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाता हैं |

इस तरह, 'चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी' आबालवृद्ध सभी के लिए सेतु का कार्य कर रही है | ध्येय के समीप पहुचनें हेतु पथ पर बढ़ाया गया एक-एक कदम अति महत्त्वपूर्ण है | गुजरात की प्रबुद्ध प्रजा अपने प्रेम की बौछार युनिवर्सिटी पर बरसाती रहे ऐसी अपेक्षा से में विराम लेता हूं | हर्षहर्षद प्

हर्षद प्र. शाह
का.कुलपति
चिल्ड्रन्स युनिवर्सिटी
गांधीनगर